(ख) बहुत जल्दी, इन गाड़ियों के फेरों में कमी किये बगैर गाड़ियों में शौच व्यवस्था न होने के कारण हो रही मुश्किल को दूर करने के इनके चालन को कम करने के मामले पर विचार किया जा रहा है। इसके साथ ही, शौच प्रणाली वाले रेकों से इनके बदलाव पर भी विचार किया जा रहा है।

स्वदेशी तकनीक का विकास

4280. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया**:

श्री बरजिन्दर सिंह:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 26 जून, 1998 के दैनिक समाचार-पत्र "दि आ व्जर्वर" में "इंडीजिनस आर एंड डी एफ्टर्स वीइंग इग्रोर्ड" शीषर्क से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है,

(ख) यदि हां, तो क्या देश के पिचानवें प्रतिशत उद्योग आयातित तकनीक पर आधारित है,

(ग) यदि नहीं, तो इस संबंध में सरकार का आकलन क्या है, और

(घ) क्या देश में नई स्वदेशी तकनीकी की खोज में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं की जा सकी है, यदि हां, तो इसके क्या कारम है?

मानव संसाधन विकास तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (डा. मुरली मनोहर जोशी): (क) जी हां।

(ख) और (ग) भारतीय उद्योग देशी प्रौद्योगिकियों तथा आयातित प्रौद्योगिकियों दोनों पर आधारित है और ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि देश में 95 प्रतिशत उद्योग आयातित प्रौद्यगिकी पर आधारित है।

(घ) रसायन और पैट्रोरसायन, औषध और फार्माल

रयु-

टिकल्स, यांत्रिक इंजीनियरी, इलैक्ट्रीकल और इलैक्ट्रानिकी तथा प्रक्रियण जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास में महत्वपूर्म उपलब्धियां हुई हैं। ऐसी प्रौद्योगिकियों के लिए उद्योग की खोज को सुकर बनाने की दिशा में राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं, नेशनल रिसर्च डवलपमेंट कार्पोरेशन और प्रौद्योगिकी के विकास और अंतरण से संबंधित अन्य संगठन स्वदेशी प्रौद्यगिकी की सूचना के बारे में सहायता कर रहे हैं और प्रसारण के लिए गथेट प्रबास कर रहे हैं।

अनुसंधान और विकास पर व्यय किये गए सकल घरेलू उत्पादन का प्रतिशत

4281. **श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया**:

श्री बरजिन्दर सिंह:

क्या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आज भी देश में अनुसंधान और विकास कार्यकलापों पर देश के सफल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत से भी कम वार्षिक व्यय किया जाता है,

(ख) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में तथ्यों का ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या संयुक्त राज्य अमरीका, जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, चीन आदि जैसे देश इस मद पर भारत की तुलना में अधिक व्यय कर रहे हैं, और

(घ) यदि हां, तो वहां इस मद में सकल घरेलू उत्पाद का कितना कितना प्रतिशत व्यय किया जा रहा है?

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री (डा. मुरली मनोहर जोशी): (क) और (ख) जी, हां। उपलब्ध आधिकारिक आंकड़े के अनुसार 1994-95 में देश में अनुसंधान और विकास पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जी एन पी) व्यय का प्रतिशत 0.81 है। इसमें केन्द्र तथा राज्य सरकारों, अनुसंधान तथा विकास संस्थानों तथा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईएलआर) द्वारा मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक औद्योगिक अनुसंधान संगठनों (एसआईआईओ) के अनुसंधान और विकास व्यय शामिल है। इस संकलन में उस अनुसंधान तथा विकास व्यय को शामिल नहीं किया गया है जो अन्य स्त्रोतों से प्राप्त किया गया है जिनमें वे व्यवसाय तथा कंपनियां भी शामिल है जिन्हें डीएसआईआई द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। समय आधार पर भारत के अनुसंधान और विकास व्यय में वर्ष 1992-93 में 5004.67 करोड़ रु. की तुलना में 1994-95 में 6821.02 करोड़ रु. की वृद्धि हुई है।

(ग) और (घ) भारत के लिए जी एन पी के प्रतिशत के रुप में अनुसंधान और विकास पर व्यय यू एस ए, जपान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया की तुलना में कम है और यह चीन से अधिक है, यूनेरकों स्टेस्टिकल